

## INHALT

|  |    |
|--|----|
| Ohne Zukunft. Das Gedicht <i>Gemeinde</i> in der<br><i>Frankfurter Anthologie</i> , vorgestellt von Prof. Dr. Walter Hinck | 7  |
| Zehn Psalmen   | 11 |
| Jordanische Passagen   | 18 |
| Bischof Kräuter von Temeswar   | 26 |
| Bisercia »Sf. Treime« Sibiel   | 27 |
| Licht  | 28 |
| Großau / Siebenbürgen  | 28 |
| Schäßburg  | 29 |
| Holzmengen   | 30 |
| Orgelstück   | 31 |
| Erster Frost   | 32 |
| Evangelischer Friedhof Volberg in Hoffnungsthal  | 33 |
| Messdiener   | 34 |
| Als wenn   | 35 |
| Kirchgang  | 36 |
| Oratorium  | 37 |
| In seinem Meer   | 38 |
| Zypern dreifaltig  | 39 |
| Et lux perpetua  | 44 |
| Sie bleibt   | 45 |
| Pfarrer Bruno Fröhlich   | 46 |
| Manole   | 47 |
| Schlag auf   | 48 |
| Beerdigung   | 49 |
| Dorotheenstädtischer Friedhof  | 50 |
| Klagemauer   | 51 |
| Münze  | 52 |
| Portrait   | 53 |
| Visafrei   | 54 |
| Morgens  | 55 |
| Weihnachten  | 56 |
| Hinüber  | 57 |
| Zuversicht   | 58 |